वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

ग्रामीण विकास समिति

2019-20

ग्रामीण विकास समिति क्षेत्र में निवासरत् गरीबों,वंचितों,आदिवासिओं और दलित समुदाय के लोगों के विकास के लिये,जागरूकता के लिये काम करती है। संस्था उन क्षेत्रों को ध्यान में रखकर प्राथमिकता तय करती है जो दूरदराज के क्षेत्रों में निवासरत् है,अभावग्रस्त है,शासकीय योजनाओं की पहुंच भी ऐसे इलाकों में बहुत ही कम हो पाती है, लोगों की क्रयशक्ति अत्यधिक कमजोर है, ऐसे इलाकों में संस्था वहां के बच्चों और महिलाओं को दृष्टिगत रखते हुये काम करती है।

संस्था का मानना है कि लोगों को उनके बीच में पहुंच कर उनकी परिस्थितियों का विश्लेषण कराया जाये तो लोग अपनी परिस्थितियों को बदलकर विकास की मुख्यधारा की ओर आगे बड़ सकते है। शासकीय योजनाओं का लाभ ले सकते है, स्वयं की श्रमशक्ति से अपनी परिस्थितियों को बदल सकतें है, अपने बच्चों मुख्यधारा में ला सकते है।

इसीलिये संस्था बच्चों के अधिकारों और संरक्षण में बालसुरक्षा और बाल स्वास्थ्य को फोकस करके काम कर रही है। इसमें किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य और महिलाओं के स्वास्थ्य पर काम किया गया है जिसमें एनेमियां में कमी लाना,बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओं के लिये कार्य करना, बालिकाओं और महिलाओं की सेहत में सुधार लाने के लिये शारीरिक स्वच्छता के संबंध में काऊन्सलिंग करना, टीकाकरण में सहयोग करके आयरन टेबलेट,आवश्यक दवाईयों को शासन के कर्मचारियों के द्वारा लोगों तक पहुंचाने का काम किया जाता है। संस्था काऊन्सलिंग और मॉनीटरिंग सेन्टर के माध्यम से गर्भवति और धात्री महिलाओं की काऊन्सलिंग करके उनके उपचार और आवश्यक दवाईयों के लिये परामर्श देती है। समय समय पर हेल्थ केंप विशेषज्ञ डॉक्टरों के माध्यम से आयोजित करती है।

इसके साथ साथ कुपोषण में कमी लाने के लिये अल्प पोषण की स्थिति से बाहर निकालने के लिये लोगों की आजीविका बढ़ाने और कृषि में लागत कम करने के लिये जैविक तरीके की खेती को तकनीकी रूप से बढ़ावा देने का काम करती है। संस्था के द्वारा महिलाओं के ग्रुप बनाकर,युवाओं के ग्रुप बनाकर और बाल ग्रुप के माध्यम से ज्यादा लोगों तक उपयोगी जानकारियां पहुंचाई जा रही है।

बाल सुरक्षा के लिये भारत सरकार के महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा संस्था का चयन करके 1098 पर बच्चों के लिये सुरक्षा देने की जुम्मेवारी सौपी गई है जिसे संस्था पूरी जुम्मेवारी के साथ दायित्वों को निर्वाहन कर रही है। बाल अधिकारों में शिक्षा से वंचित बच्चों के लिये शिक्षा से जोड़ने, सरकारी योजनाओं का फायदा दिलाने के लिये प्रयास किये जा रहे है।

महिलाओं के अधिकारों के लिये महिला जागरूकता को प्राथमिकता देकर कार्यक्रमों में अंतर्राराष्ट्रीय महिला दिवस जैसे कार्यक्रमों के आयोजन किये गये है। ठंड़ से बचाव के लिये गरीब बालिकाओं को स्वेटर वितरण जैसे काम के अलावा कोरोना COVID - 19 महामारी में वंचितो के लिये सूखा राशन और मास्क आदि देकर मदद के काम भी शामिल है।

स्वास्थ्य, काऊन्सलिंग एवं मॉनीटरिंग सेन्टर :–

ग्रामीण विकास समिति (GVS) पिछले वर्षों के काम के अनुभव से निकल आया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य लोगों के लिये एक बड़ा ही जरूरी एवं जटिल मुद्दा है। एक तरफ स्वास्थ्य सुविधाओं की अत्यधिक क्षेत्र में कमी है दूसरी तरफ अज्ञानता वश लोग अपनी सामान्य स्वास्थ्य के प्रति समझ नही रखते है इन कारणों से लोग अस्वस्थ्य रहते है उनका समय और पैसा भी अनावश्यक रूप से खर्च हो जाता है जिससे उनकी क्रय क्षमता बढ़ नही पाती और आवश्यक वस्तुयें वे लोग खरीद नहीं पाते। इसी तरह के अनेक कारणों से लोग गरीबी से बाहर नही निकल पा रहे है।

समस्याओं में कमी लाने के उद्देश्य से संस्था ने ब्लाक तेन्दूखेड़ा में काऊन्सलिंग एवं मॉनीटरिंग सेन्टर (CMC) का संचालन किया जा रहा है। सेन्टर में एक नर्स की नियुक्ति की है जो सेन्टर का संचालन करती है। इस सेन्टर में आसपास के 30 गांव की गर्भवति महिलाओं, शिशुवति महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को परामर्श दिया जाता है। 453 गर्भवति महिलाओं की जांचकर सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में T T 1, T T 2 की जानकारी दी गई, सुरक्षित प्रसव के लिये CHC सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या आसपास उपलब्ध 24X7 डिलेवरी प्वाइंट पर ही सुरक्षित प्रसव कराने के लिये प्रेरित किया गया।

खून कमी एवं एनेमियां से पीड़ित हाईरिस्क 83 गर्भवति महिलाओं को चिन्हित किया गया इनमें से 76 महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र CHC और जिला अस्पताल रिफर किया गया। 7 महिलाओं को उचित खानपान एवं आराम तथा देखरेख से स्वस्थ्य किया गया।

ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता VHND :–

राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शिशु मृत्यु और मातृमुत्यु को कम करने के उद्देश्य से VHND कार्यक्रम संचालित किया जाता है इस कार्यक्रम में संस्था के कार्यकर्ताओं ने शासकीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं में ANM का सहयोग किया गया VHND के दिन महिलाओं एवं शिशुओं को निश्चित जगह पर इकट्ठा करने का काम किया गया, परामर्श दिया गया एवं ANC चेकप कराने में ANM का सहयोग किया गया जिससे 453 महिलाओं में से 158 महिलाओं की पहली जांच 148 महिलाओं की दो जांचे 77 महिलाओं की तीन जांचे एवं 70 महिलाओं की चार जांचे कम्पलीट हुई।

प्रसव के पश्चात् PNC जांच कराने के लिये महिलाओं को प्रेरित किया गया जिसमें PNC जांच के लिये संस्था के प्रयास से 196 महिलायें उपस्थित हुई इन महिलाओं में से 49 महिलाओं की 4 जांचे कम्पलीट हुई।

बच्चों का टीकाकरण :–

तेन्दूखेड़ा ब्लाक के 22 गांव में शिशु मृत्यु में कमी लाने के उद्देश्य से 1000 दिन तक बच्चों की देखरेख एवं सुरक्षा के उद्देश्य से लोगों के गांव में जाकर घर घर जाकर

समझाइश देने का काम किया जाता है और गांव में गठित समूहों के माध्यम शिशु स्वास्थ्य के संबंध में जानकारियां दी जाती है। इस कार्यक्रम में बच्चों को समय पर टीका लगवाने,पोलियो पिलवाने और सही समय पर बच्चे का सम्पूर्ण टीकाकरण करवाने पर जोर दिया जाता है। इन ग्रामों में जन्में 264 बच्चों का टीकाकरण कराने में सहयोग ANM के साथ किया गया, 174 बच्चों को मीजल्स के टीके लगे। 90 बच्चों का टीकाकरण टीकाकरण की प्रक्रिया में है 9 माह पूर्ण होने पर इनको भी मीजल्स का टीका लगाया जायेगा।

किशोरी बालिकाओं को परामर्श :–

अच्छे स्वास्थ्य के लिये 27 गांव की 3000 किशोरी बालिकाओं को शारीरिक एवं बाहय स्वच्छता से संबंधित जानकारियां दी गई, उनको शारीरिक बदलाव के संबंध में महिला काऊन्सलर के द्वारा नेचुरल बदलाव की विस्तारपूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया गया। बालिकाओं के लिये नेपकिन उपयोग करने के संबंध में समझाया गया और आयरन टेबलेट के नियमित सेवन से शारीरिक दुर्बलता से बचने की सलाह दी गई। एनेमियां से बचाव के लिये क्षेत्र में उपलब्ध मौसमी फल, साक भाजियो के सेवन से होने वाले फायदों से अवगत कराया।

महिला स्वास्थ्य शिविर :–

महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं की स्वास्थ्य की समस्याओं को ध्यान में रखते हुये 5 जून 2019 एवं 10 फरवरी 2020 को दो स्वास्थ्य केम्प आयोजित किये गये इनमें 50 गांव की 1010 महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं ने परीक्षण करवाये। इनमें से 15 केस जिला अस्पताल में रिफर किये गये। 98 गर्भवति महिलाओं के ANC चैकप किये गये। 50 वृद्ध महिला पुरूषों की जांच करके निःशुल्क चश्मा वितरित किये गये एवं शिविर में आये महिला पुरूषों की जांचकर आवश्यकताअनुसार निःशुल्क दवाईयां वितरित की गई।

शिशुओं के लिये स्तनपान :–

22 गांव में महिलाओं के ग्रुप बनाये गये है इन ग्रुप में 264 महिलायें शामिल है। इन महिलाओं के साथ महीने में एक बार अनिवार्य रूप से बैठकें की गई जिसमें बच्चे के जन्म के एक घंटे के भीतर मां का गाढ़ा दूध अनिवार्य रूप से पिलाने के लिये प्रेरित किया गया और इसके फायदे समझाये गये। शिशु को कैसे स्तनपान कराये, गोद में लेने के तरीके बताये गये बारबार स्तनपान कराने के लिये प्रेरित किया गया। बच्चे को जन्म से 6 माह तक केवल मां का ही दूध देनें की समझाइस दी गई। 6 माह की अवधि पूर्ण होने पर मां के दूध के साथ साथ थोड़ा थोड़ा ऊपरी आहार देने के तरीके समझाये गये।

ग्राम आरोग्य केन्द्र :–

गांव में छोटी छोटी बीमारियां जैसे सर्दी,जुकाम,डायरिया,उल्टी,दस्त,मौसमी बीमारियां,बुखार, मलेरिया से भी मौतें तक हो जाती है। और गांव के लोगों को दूर शहरों और कस्बों में जाके इलाज कराना पड़ता है जिससे समय और पैसा बर्वाद हाने के साथ साथ शारीरिक दुर्बलता आती है इसी कारण से कई बार लोगों को बड़ी बीमारियां भी घेर लेती है। थोड़ी सी जागरूकता और सामान्य उपचार से इन बीमारियों को कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से 22 गांव के 17 आरोग्य केन्द्रों की आशा कार्यकर्ताओं की केपेसिटी बढ़ाने का काम किया गया। इन आशाओं को HB टेस्ट करने BP चेक करने के तरीके बताये गये,प्रशिक्षित किया गया। आरोग्य केन्द्रों में 16 प्रकार की सामान्य दवाईयों के रखरखाव के तरीके बताये गयें और दवाईयों को सुरक्षित रखवाया गया। अब ये आशा कार्यकर्ता जरूरत मंदों को दवाईयां उपलब्ध करा रही है।

जलजनित बीमारियों में कमी लाने के प्रयास :–

क्षेत्र में दूषित पानी से अलग अलग मौसम में लोग बीमारियों से ग्रसित होते रहते है जिससे इन्हें परेशानियों का सामना करने के साथ साथ स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिये बहुत पैसा खर्च करना पड़ता है। स्वास्थ्य एक मुद्दा है जो लोगों को ऊपर उठने में व्यवधान पैदा करता है।

इस समस्या में कमी लाने के लिये संस्था ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रेत,कंकड़,मिट्टी और चारकोल से पानी साफ करने के लिये देशी वाटर फिल्टर बनाया, 27 गांव में इस वाटर फिल्टर को लोगों के घरों में बनाकर पानी को साफ कराया गया।

शासन के द्वारा क्लोरीन की गोलियां लोगों के घरों में वितरित कराई गई,कुओं और हेड़पंपों में ब्लीचिंग पाऊडर डलवाकर पानी को साफ करने के प्रयास किये गये। वारिश के दिनों में उबालकर पानी पीने से बीमारियों में कमी होती है इस तरह के तरीके लोगों को बताकर जागरूक किया गया।

ग्रोर्थ मॉनीटरिंग :–

बच्चों में कुपोषण कम करने के उद्देश्य से 22 गांव में 0 से 5 वर्ष के 4125 बच्चों की ग्रोर्थ मॉनीटरिंग की गई। इनमें से 2713 बच्चे वजन के मान से सामान्य वजन के पाये गये 1191 बच्चे मध्यम कुपोषण की शैली में पाये गये एवं 221 बच्चे अति कम वजन के पाये गये। 73 बच्चों का व्यक्तिगत केयर प्लान बनाके देखरेख का काम किया गया,जिसमें घर की स्वच्छता, परिसर की स्वच्छता एवं बच्चों को संतुलित उचित खानपान की सलाह दी गई, शासन की राशन प्रणाली से भी छूटे हुये गरीब परिवारों को जोड़ा गया जिससे उन्हें राशन प्राप्त हुआ। बच्चों की हेल्थ का लगातार चेकप कराया गया आवश्यक दवाईयों की पूर्ति कराई गई जिससे बच्चों की सेहत में सुधार हुआ।

NRC :–

अतिगंभीर कुपोषित बच्चों के जीवन सुरक्षा करने के लिये 19 बच्चों को NRC में भर्ती कराके कुपोषण के चंगुल से बाहर निकाला गया। 24 बच्चों को स्नेह शिविर में भेजकर बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालने का प्रयास किया गया है।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में सहयोग :–

क्षेत्र के 22 गांव की 23 आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थिति में सुधार लाने के लिये ढ़ाई साल से

पांच साल के बच्चों को आंगनवाड़ी लाने के लिये बच्चों के माता पिता को प्रेरित किया गया जिससे केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ी 1793 बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की खुराक पिलाने में सहयोग किया इन्ही बच्चों को कृमिनाशक एडविन्डाजोल सीरप और बच्चों की आंखों की सुरक्षा एवं रोशनी के लिये विटामिन ए सीरप की खुराक पिलवाने का काम किया गया। किशोरी बालिकाओं और धात्री महिलाओं के लिये पूरक पोषण आहार से संबंधित जानकारियां दी गई। सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका ज्ञान बढ़ाने का काम किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान :–

स्वच्छ भारत अभियान के अतंर्गत दमोह में दीवाल लेखन, पोस्टर, पंपलेट,और कच्ची बस्तियों में नुक्कड़ बैंठकें आयोजित की गई, बच्चों के द्वारा चित्रकला का आयोजन किया गया। स्कूलों में एवं कालेजों में हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से शारीरिक स्वच्छता, मानसिक स्वच्छता, परिसर की स्वच्छता एवं आसपास की साफ सफाई के संबंध में इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 17 हजार लोगों तक इस संदेश को पहुंचाया गया। दो स्कूलों में वृक्षारोपण कराया गया, कच्ची बस्ती की बालिकाओं के लिये सेनेटरी पेड,सेवलोन,ब्रुश,पेस्ट,जीवि, निःशुल्क वितरित किये गये और हाथ धोने की प्रेक्टिस कराई गई।

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की बेंच में सहयोग :–

20 नवंबर 2019 को राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की बेंच बाल संरक्षा और अधिकारों के

मामलों की सुनवाई करने के लिये दमोह के सर्किट हाऊस में आयोजित की गई जिसमें राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्री प्रियंक कानूनगों मध्यप्रदेश बाल आयोग के सदस्य एवं राष्ट्रीय कोआर्डीनेटर रजनीकांत सहित आयोग के सदस्यों ने सुनवाई की। राष्ट्रीय आयोग द्वारा सहयोग मांगे जाने पर ग्रामीण विकास की टीम ने जिले में प्रचार प्रसार करने,प्रकरणों को बेंच के सामने रखने,निराकरण कराने में सहयोग किया,दमोह में सुनवाई के लिये 500 प्रकरण आये जिसमें ग्रामीण विकास समिति के द्वारा 350 से अधिक प्रकरण 24 घंटे के समय अंतराल में पेश कर दिये। ग्रामीण विकास समिति के द्वारा किये गये कार्य को राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने केश स्टेडी के रूप में देश में पेश किया है।

चाइल्डलाइन 1098 का संचालन :–

मुसीबत में फंसे बच्चे, बेसहारा बच्चें,गुमशुदा एवं जरूरतमंद बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण

के लिये भारत सरकार के महिला एवं बालविकास मंत्रालय के द्वारा चाइल्डलाइन के लिये संस्था का चयन किया गया है। संस्था के द्वारा जिले में चाइल्डलाइन के प्रचार प्रसार के लिये चाइल्डलाइन से दोस्ती पखवाड़ा की शुरूआत क्षेत्रीय विधायक श्री राहुल सींग, जिला कलेक्टर श्री तरूण राठी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री संजीव मिश्रा सहित जिले के समस्त वरिष्ठ अधिकारियों एवं सम्मानीय नागरिकों को रिबिन पहनाकर एवं चाइल्डलाइन से दोस्ती का बेच लगाकर पखवाड़े की शुरूआत की गई थी। अभियान के अंतर्गत जिले के 14 हायर सेकेण्डरी स्कूलो,हाई स्कूलो एवं मिडिल स्कूलों में लगभग 7000 बच्चों के बीच में उपस्थिति देकर बालसुरक्षा और बाल अधिकारों की जानकारी दी गई।

आऊटरीच के माध्यम से दमोह सिटी में डेढ़ लाख लोगों तक जानकारी पहुंचाई गई, दीवाल लेखन, पोस्टर, पंपलेट और अखवारों के मीध्यम से जिले की 15 लाख आवादी के बीच में चाइल्डलाइन के काम और बच्चों की सुरक्षा व बच्चों के अधिकारों की बात पहुंचाई गई।

संस्था में 1098 पर 300 केस रजिस्टर्ड हुये जिनका निराकरण किया गया,बालिकाओं के सेनेटरी पेड जैसे मुद्दों को जिला प्रशासन के सामने रखा गया जिससे उनकी समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया गया।

शिक्षा :–

बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिये सरकार के द्वारा संचालित स्कूल चलों अभियान में

भागीदारी करके ब्लाक तेन्दूखेड़ा, ब्लाक जबेरा एवं दमोह में सहयोग किया गया। स्कूल में जिन बच्चों के नाम दर्ज नहीं हो पायें उन बच्चों को खोजकर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने उपस्थित कर ध्यान आकर्षित कराया गया और बच्चों के एडमीशन करायें गये। बेसहारा बच्चों के लिये हॉस्टल उपलब्ध कराके बालसुरक्षा और बालसंरक्षण देकर बच्चों को शिक्षा से जोड़ा गया है। ड्राफ्टआऊट बच्चों की पहचान करके ऐसे बच्चों को पुनः स्कूलों में और क्लासों में स्थान दिलाकर शिक्षा से वंचित होने से रोका गया है। बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिये प्रेरित किया जाता रहा है जिससे संस्था के प्रयास से अभावग्रस्त जीवन में जूझ रही बालिकायें भी कालेजों में पढ़ाई कर रही है।

हाथ धुलाई कार्यक्रम :–

क्षेत्र के 25 स्कूलों में 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिये स्वच्छता का संदेश देने के लिये 2600 बच्चों के साथ हाथ धुलाई के लिये प्रेक्टिस कराई गई सभी 13 बस्तियों में लोगों को इकट्ठा करके साबुन से हाथा धोने के लिये प्रेरित किया गया प्रक्टिकल कराके के लोगों को प्रक्टिस कराई गई ताकि लोगों की बीमारियां कम हो परिसर स्वच्छ रहे जिससे दिल और दिमाग में स्फूर्ति बनी रहे और आगे विकास की मुख्य धारा में जुड़ने के लिये आगे कदम बढ़ाये।

जागरूकता रैली :–

संस्था के द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता के लिये 3 रेलियों का आयोजन दमोह में किया गया। जिसमें बेटी बचायो बेटी पढ़ाओ, बाल संरक्षण सप्ताह,महिलाओं के अधिकारों की जागरूकता के लिये संदेश देने का काम किया गया इन रेलियो में 475 लोगो ने,बच्चों ने भागीदारी की एवं रैलियों के माध्यम से 150000 लोगों तक यह संदेश पहुचाया गया।

किचिन गार्डन :–

एनीमियां में कमी लाने के उद्देश्य से 235 परिवारों में बीज उपलब्ध कराके खेतों में किचिन गार्डन के डेमों कराये गये,इन किचिन गार्डन में पालक,मैथी,नौरपा,बथुआ,सरसो की भांजियों एवं लौकी,सेम,तुरई,बरवटी जैसी सब्जियां लगाई गई। इन साक भाजियों का एवं आसपास के जंगलों में उत्पन्न मौसमी भाजियों को एकत्रित करके इनको कैसे पकाया जाता है और उनका स्वाद कितना टेस्टी होता है। पकाने और टेस्ट करने के डेमों करके बताये गये। इन किचिन गार्डन को गांव के और आसपास के 765 लोगों को भ्रमण कराके दिखाया गया ताकि इनको भी इसके फायदे समझ में आ सकें। इन साक भाजियों का लोगों के द्वारा बेहतर तरीके से उपयोग किया जाने लगा है।

किशोरी बालिकाओं,गर्भवति महिलाओं एवं धात्री महिलाओं को एनेमियां से बचाव के लिये राजमा,चना,मसूर,मूंग को अंकुरित करके गुड के साथ सेवन करने के फायदे बताये गये व डेमों करके बताये गये। इससे क्षेत्र की 1280 किशोरी बालिकाओं को फायदा हुआ।

किसान क्लब/तकनीकी खेती :–

तेन्दूखेड़ा ब्लाक के 25 गांव में किसान क्लबों का गठन किया गया था, इन लघु और सीमांत किसानों की आजीविका में सुधार लाने, खेती की लागत कम करने और उत्पादन में वृद्धि करने के उद्देश्य से SRI, SWI पद्धति से धान,गेहूं,चना, मसूर, सरसों की खेती करने के लिये

लोगो को प्रशिक्षण देकर डेमों कराये गये। इसमें संस्था के द्वारा तैयार किये गये जैविक खाद की तकनीकी किसानों को बताई गयी। जिसे 25 गांव के 100 किसानों ने डेमों करके उत्पादन में वृद्धि की और किसान क्लब के सदस्यों को अपने खेतों का भ्रमण कराया।

महिलाओं के SHG ग्रुप का संचालन :–

ब्लाक तेन्दूखेड़ा के 30 गांव में महिलाओं के 51 स्वयं सहायता समूह और जबेरा ब्लाक के 7 गांव में 7 स्वयं सहायता समूह कुल 58 समूहों का संचालन किया जा रहा है। इन समूहों में महिलाओं के लिये थोड़ी थोड़ी बचत करने के तरीके अपनाने और जरूरत पर अपने ग्रुप की साथी महिला को मदद करने के लिये प्रेरित किया जाता है ताकि महिलायें साहूकार के चंगुल से बच सकें और अपनी सामान्य जरूरतों को पूरा कर सकें। इन ग्रुपों में से 8 ग्रुपों की महिलाओं को बैंक से लिंक कराया गया था,इन्ही में से कुछ महिलायें छोटे छोटे व्यवसाय शुरू कर चुकी है जैसे बकरी पालन,सुअर पालन,मुर्गी पालन,ईट भट्टा,किराना दुकान आदि।

अंतर्राराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन :–

8 मार्च 2020 को महिलाओं के अधिकारों की जागरूकता के लिये संस्था के द्वारा जिले के दमोह,तेन्दूखेड़ा और जबेरा ब्लाक में दीवाल लेखन,ग्राम बैठकों के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों का संदेश देने का काम किया गया। दूरदराज के क्षेत्र इमलीडोल में अंतर्राराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन संस्था के द्वारा किया गया, इसमें 12 गांव की 280 से अधिक महिलाओं की भागीदारी के अलावा महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग की कार्यकर्ता और अधिकारियों ने भागीदारी करके दूरदराज के क्षेत्र में पहली बार महिलाओं के अधिकारों की बात पहुंचाई। सरकार के द्वारा महिलाओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। इस तरह के कार्यक्रम से पिछड़े क्षेत्र की महिलाओं में उत्साह बढ़ा और जानकारियां बढ़ी जिससे वह आवश्यकताअनुसार अपने अधिकारों का उपयोग कर सकेंगी।

खेलों का आयोजन :–

संस्था के द्वारा बच्चों, किशोरी बालिकाओं और बालकों का उत्साह बढ़ाने के लिये खेलों के आयोजन किये गये, इसमें 100 मीटर दौड़,बोरा दौड़, जलेबी दौड़, परंपरागत खेलों में धनुष बाण,गिल्ली डण्डा, घोर घोर रानी आदि खेल खिलाके बच्चों के हौसला बढ़ाये गये और उनको पुरूस्कार वितरित किये गये।

स्वेटर वितरण :–

गरीब,दलित और आदिवासी किशोरी बालिकाओं के लिये ठंड़ से बचाव के लिये संस्था के द्वारा 1000 गरम स्वेटर का वितरण दूरदराज के क्षेत्रों मे एस.डी.एम., तहसीलदार, जनपद सी.ई.ओ., ब्लाक शिक्षा अधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के हाथों से अत्यधिक जरूरत मंदों को वितरित कराई गई थी।

कोरोना (COVID-19) में राहत कार्य :–

मार्च 2020 के अंतिम सप्ताह में देश को महामारी से बचाने के उद्देश्य से एकाएक देश में लॉकडाऊन हो गया, जिससे गरीब लोगों के सामने एकाएक भोजन का संकट खड़ा हो गया। लोगों को समझ में नही आ रहा था कि इन परिस्थितियों में क्या किया जाये।

संस्था के द्वारा संकट के समय निर्णय लिया गया कि आपातकालीन राहत में कार्य करने के लिये जिला प्रशासन से कार्यकर्ताओं के पास बनवाये गये। लोगों को महामारी से बचाव के तरीके बताये गये जिसमें सोशल डिस्टेन्स बनाये रखना,चेहरे पर मास्क या गमछा बांधना, घरों में सुरक्षित रहना, अत्यधिक जरूरत पढ़ने पर ही घर से बाहर निकलना के लिये जागरूक किया गया।

मुंह ढ़कने के लिये 2500 मास्क बनवा के वितरित किये गये। 128 अत्यंत गरीब परिवारों के लोगों के लिये सम्मानजनक तरीके से सुखे राशन में पांच किलो आटा,

दो किलो चांवल, एक किलों तुअर की दाल एवं सेनेटाईजर के रूप में साबुन की किट बनाकर गरीबों के घर में जाकर दी गई।

जिला प्रशासन को 1500 गरीब परिवारों की सूची सौपी गई और मांग की गई कि इनको तत्काल राशन सामग्री उपलब्ध कराई जाये। जिला प्रशासन द्वारा इन गरीब परिवारों को आटा,दाल,चांवल और मसाले वितरित किये गये।